

## कभी कभी भगवान् को भी भक्तों से काम पड़े

कभी कभी भगवान् को भी भक्तों से काम पड़े ।  
जाना था गंगा पार प्रभु केवट की नाव चढ़े ॥

अवध छोड़ प्रभु वन को धाये,  
सिया राम लखन गंगा तट आये ।  
केवट मन ही मन हर्षिये,  
घर बैठे प्रभु दर्शन पाए ।  
हाथ जोड़ कर प्रभु के आगे केवट मगन खड़े ॥

प्रभु बोले तुम नाव चलाओ,  
अरे पार हमे केवट पहुँचाओ ।  
केवट बोला सुनो हमारी,  
चरण धुल की माया भारी ।  
मैं गरीब नैया मेरी नारी ना होए पड़े ॥

चली नाव गंगा की धारा,  
सिया राम लखन को पार उतारा ।  
प्रभु देने लगे नाव उतराई,  
केवट कहे नहीं रागुराई ।  
पार किया मैंने तुमको, अब तू मोहे पार करे ॥

केवट दौड़ के जल भर ले आया,  
चरण धोये चरणामृत पाया ।  
वेद ग्रन्थ जिन के गुण गाये,  
केवट उनको नाव चढ़ाए ।  
बरसे फूल गगन से ऐसे,  
भक्त के भाग्य जगे ॥

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/238/title/kabhi-kabhi-bhagwaan-ko-bhi-bhakto-se-kaam-pade>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |